25 दिसम्बर 2017

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

smc

Moneywise. Be wise.

प्रमुख खबरें

केन्द्र सरकार द्वारा चना और मसूर पर तत्काल प्रभाव से 30% आयात शुल्क लगा दिया गया है।

केन्द्र सरकार ने मौजूदा सीजन में चीनी के उत्पादन में बढ़ोतरी के अनुमान और चीनी की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए 19 दिसम्बर 2017 से कारोबारियों और डीलरों के लिए चीनी की स्टॉक की सीमा को समाप्त कर दिया है।

महाराष्ट्र सरकार ने किसानों को गुलाबी कीटों के प्रकोप से प्रभावित कपास की फसल को जनवरी में नष्ट करने का आदेश दिया है।

नवम्बर में अमेरिकी घरों के निर्माण में आश्चर्यजनक ढंग से बढ़ोतरी हुई है जबकि एकल परिवार वाले घरों के निर्माण में 10 वर्षो के उच्च स्तर पर बढ़ोतरी हुई है।

बैंक ऑफ जापान ने दिसम्बर 2017 की बैठक में छोटी अवधि के ब्याज दरों -0.1% में कोई बदलाव नही किया है।

चिली की एंटाफागस्टा पीएलसी ने कहा है कि सेंटीनेला खदान में अपने संगठित श्रमिकों के साथ वेतन को लेकर नया समझौता हो गया है जिससे हड़ताल की संभावना समाप्त हो गई है।

मास्को एक्सचेंज ने 2018 में सर्राफा बाजार में लिक्वीडिटी बढ़ाने के लिए सोने का डिलीवरी योग्य वायदा कारोबार शुरू करेगा ।

सिल्वर इंस्टीट्यूट के अनुसार 2017 में चांदी की औद्योगिक मांग 3.4% बढ़कर 581. 4 मिलियन औंस हो गई है लेकिन बार और सिक्कों की मांग एक-तिहाई से अधिक कम होकर 130.1 मिलियन औंस रह गई है।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	15.12.17	21.12.17	बदलाव (%)
चना	3,946.00	4,230.00	7.20%
काली मिर्च	40,715.00	43,080.00	5.81%
धनिया	5,453.00	5,707.00	4.66%
ग्वारसीड 1 मी.टन	3,930.50	4,108.50	4.53%
ग्वारगम 5 मी.टन	8,488.00	8,869.00	4.49%

MCX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	15.12.17	21.12.17	बदलाव (%)
काली मिर्च	40000.00	43250.00	8.13%
मेंथा ऑयल	1583.00	1657.50	4.71%
निकल	739.10	770.30	4.22%
एल्युमीनियम	131.65	136.80	3.91%
तांबा	445.80	456.75	2.46%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	15.12.17	21.12.17	बदलाव (%)
मक्का रबी	1,200.00	1,174.00	-2.17%
क्रूड पॉम ऑयल	554.00	543.90	-1.82%
सोया तेल	729.35	716.55	-1.75%
डीगम्ड सोया तेल	685.75	678.75	-1.02%
आरएमसीड ऑयलकेक	1,801.00	1,789.00	-0.67%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	15.12.17	21.12.17	बदलाव (%)
सीपीओ	566.80	551.90	-2.63%
लेड	162.05	159.55	-1.54%
इलायची	1073.70	1069.80	-0.36%
गोल्ड पेटल	2863.00	2857.00	-0.21%

साप्ताहिक समीक्षा

पिछले हफ्ते डॉलर के कमजोर होने और सुरक्षित निवेश के लिए खरीददारी के कारण सर्राफा की कीमतों में रिकवरी दर्ज की गई। लेकिन रूपये के मजबूत होने के कारण घरेलू बाजार में कीमतों की बढ़त पर रोक लग गई। रिपब्लिकन बहुमत वाले हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव ने 30 वर्षो में पहली बार अमेरिकी कर सुधार विधेयक को पारित कर दिया है और 1.5 ट्रिलियन डॉलर के कर विधेयक को राष्ट्रपति ट्रंप के पास हस्ताक्षर के लिए भेज दिया है। वैश्विक तेल उत्पादकों द्वारा तेल उत्पादन में कटौती के मौजूदा प्रयासों के बावजूद अमेरिकी शेल तेल उत्पादन में बढ़ोतरी के जारी रहने के कारण कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के रूझान के साथ कारोबार हुआ । ईआईए के अनुसार 15 दिसम्बर को समाप्त हफ्ते में अमेरिकी कच्चे तेल भंडार में 6.5 मिलियन बैरल की गिरावट हुई है जबकि अनुमान 3.8 मिलियन बैरल की गिरावट का था। इसी हफ्ते में अमेरिकी कच्चे तेल का उत्पादन फिर से बढ़कर 9.79 मिलियन बैरल/दिन के स्तर पर पहुंच गया है, जो 1970 के बाद उच्चतम स्तर है जबकि अमेरिकी कच्चे तेल का निर्यात भी बढ़कर 1.86 मिलियन बैरल/दिन हो गया है और आयात में 301000 बैरल/दिन की गिरावट हुई है। यमन द्वारा सऊदी अरब की राजधानी रियाद पर मिसाइल दागे जाने की खबरों के कारण तेल की कीमतों में थोड़ी उछाल अवश्य दर्ज की गई लेकिन सऊदी अरब ने मिसाइल को बीच में भी नष्ट करने की खबर दी । सुस्त मांग के कारण नेचुरल गैस की कीमतों में नरमी बरकरार रही । बेस मेटल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई । अधिक मांग के कारण निकल और एल्युमीनियम की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। इंटरनेशनल एल्युमीनियम इंस्टीट्यूट के अनुसार 2017 की पहली छमाही में चीन ने 16.7 मिलियन टन एल्युमीनियम का उत्पादन किया है जो पिछले वर्ष की दूरसरी छमाही की तुलना में 1% अधिक है। चीन के पर्यावरण मंत्रालय द्वारा तांबें के स्क्रैप के आयात पर प्रतिबंध के बाद तांबें की कीमतों को मदद मिली ।

कृषि कमोडिटीज में, काली मिर्च ने सबसे जोरदार प्रदर्शन किया । बेहतर घरेलू मांग के बीच उपलब्धता कम होने के कारण काली मिर्च की कीमतों को मदद मिली । भारत सरकार द्वारा काली मिर्च का न्यूनतम समर्थन मूल्य 500 रू/किग्रा तय किए जाने के बीच मांग में बढ़ोतरी की संभावना के साथ ही कीमतों में वृद्धि की उम्मीद से बिकवाल बाजार से दूरी बनाए हुए हैं। हाजिर बाजारों में सप्लाई कम होने के कारण मेंथा ऑयल की कीमतों में फिर से उछाल दर्ज की गई क्योंकि देश में कम स्टॉक को देखते हुए कीमतों में बढ़ोतरी होने की संभावना से किसान और स्टॉकिस्ट अपना स्टॉक बाजार में नही लाना चाहते हैं। सरकार द्वारा चना और मसूर पर तत्काल प्रभाव से 30% आयात शुल्क लगाए जाने के कारण चना वायदा की कीमतों में अच्छी-खासी रिकवरी दर्ज की गई । कम आवक के कारण ग्वार समूह की कीमतों में जोरदार तेजी दर्ज की गई जबकि बंदरगाहों पर पर्याप्त उपलब्धता के बीच रिटेलरों और स्टॉकिस्टों की ओर से मांग में कमी के कारण खाद्य तेलों की कीमतों में गिरावट हुई ।

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	14.12.17	21.12.17	(%)
जौ	जयपुर	1513.75	1515.00	0.08
धनिया	कोटा	5532.95	5623.20	1.63
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	617.00	610.00	-1.13
गुड़	मुजफ्फरनगर	1096.45	1102.50	0.55
ग्वारसीड	जोधपुर	3927.10	4012.50	2.17
ग्वारगम	जोधपुर	8528.90	8630.25	1.19
जीरा	ऊंझा	20981.30	21093.30	0.53
सरसों	जयपुर	4125.00	4100.00	-0.61
काली मिर्च मलाबार गार्बल्ड	कोच्ची	44800.00	46276.90	3.30
कच्चा जूट	कोलकाता	3783.15	3787.65	0.12
सोयाबीन	इंदौर	3058.00	3095.00	1.21
हल्दी	निजामाबाद	7671.90	7821.90	1.96
चीनी	कोलकाता	3577.80	3519.05	-1.64
गेहूँ	दिल्ली	1806.95	1775.85	-1.72
कॉटन	कडी	18811.85	19050.90	1.27
कॉटन आयॅलसीड केक	अकोला	1708.20	1796.65	5.18

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	14.12.17 क्वांटिटी	21.12.17 क्वांटिटी	अंतर
जौ	मी.टन	150	150	0
कैस्टर सीड	मी.टन	23565	25252	1687
चना	मी.टन	2617	2765	148
धनिया न्यू	मी.टन	9642	11651	2009
कॉटनसीडकेक	मी.टन	6535	11864	5329
ग्वारगम	मी.टन	23168	23707	539
ग्वारसीड	मी.टन	27566	28743	1177
जीरा न्यू	मी.टन	7578	7288	-290
मक्का	मी.टन	40	60	20
काली मिर्च	मी.टन	21	10	-11
आर एम सीड	मी.टन	7600	6214	-1386
सोयाबीन	मी.टन	163773	168249	4476
हल्दी	मी.टन	672	652	-20
गेहूँ	मी.टन	5953	5953	0

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	14.12.17 क्वांटिटी	20.12.17 क्वांटिटी	अंतर
काली मिर्च	मी.टन	4.01	4.10	0.09
इलायची	मी.टन	3.80	4.10	0.30
सोना	किग्रा	29300.00	33700.00	4400.00
सोना मिनी	किग्रा	20.00	20.00	0.00
सोना गिनी	किग्रा	5.30	5.30	0.00
मेंथा ऑयल	किग्रा	7.66	7.66	0.00
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	1439676.55	1521887.75	82211.20
		12185.34	11650.78	-534.56

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	15.12.17	21.12.17	बदलाव(%)
सोयाबीन	CBOT	जनवरी	9.67	9.49	-1.91
सोया तेल	CBOT	जनवरी	33.34	32.83	-1.53
सीपीओ	BMD	मार्च	2518.00	2449.00	-2.74
चीनी	LIFFE	मार्च	360.50	386.90	7.32

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	15.12.17	21.12.17	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	3 माह	2036.00	2108.50	3.56
तांबा	LME	3 माह	6735.50	6977.00	3.59
लेड	LME	3 माह	2511.00	2491.00	-0.80
निकल	LME	3 माह	11170.00	12000.00	7.43
जिंक	LME	3 माह	3183.00	3223.00	1.26
सोना	COMEX	फरवरी	1257.50	1270.60	1.04
चांदी	COMEX	मार्च	16.06	16.24	1.12
लाइट क्रूड	NYMEX	फरवरी	57.33	58.36	1.80
नेचुरल गैस	NYMEX	जनवरी	2.61	2.60	-0.38

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 14.12.17 को	स्टॉक की स्थिति 21.12.17 को	अंतर
एल्युमीनियम	1109725	1107975	-1750
तांबा	191600	201150	9550
निकल	377166	374934	-2232
लेड	144600	142000	-2600
जिंक	196850	189725	-7125

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	सोयाबीन	जनवरी	3078.00	07.12.17	तेजी	3139.00	3010.00	-	3000.00
NCDEX	जीरा	जनवरी	21555.00	23.11.17	तेजी	21145.00	20500.00	-	20000.00
NCDEX	रिफाइंड सोयातेल	जनवरी	716.55	23.08.17	तेजी	660.85	714.00	-	705.00
NCDEX	आरएमसीड	जनवरी	3971.00	12.10.17	साइडवेज				
NMCE	काली मिर्च मिनी	जनवरी	42808.00	14.12.17	तेजी	41111.00	40000.00	-	38000.00
NMCE	रबर	जनवरी	13263.00	13.07.17	साइडवेज				
MCX	मेंथाऑयल	जनवरी	1685.00	14.12.17	मंदी	1674.20	-	1750.00	1800.00
MCX	इलायची	जनवरी	1069.80	07.12.17	तेजी	1045.60	980.00	-	960.00
MCX	चांदी	मार्च	37530.00	07.12.17	मंदी	37036.00	-	38500.00	39500.00
MCX	सोना	फरवरी	28501.00	07.12.17	मंदी	28667.00	-	29000.00	29500.00
MCX	**तांबा**	**फरवरी**	**456.75**	**21.12.17**	**तेजी**	**456.75**	**435.00**	**-**	**425.00**
MCX	लेड	जनवरी	160.00	20.07.17	तेजी	141.25	156.00	-	152.00
MCX	जिंक	जनवरी	207.70	17.10.17	साइडवेज				
MCX	**निकल**	**जनवरी**	**775.80**	**21.12.17**	**तेजी**	**775.80**	**720.00**	**-**	**680.00**
MCX	एल्युमीनियम	जनवरी	137.30	30.11.17	मंदी	131.80	-	138.00	140.00
MCX	कच्चा तेल	जनवरी	3732.00	27.09.17	तेजी	3416.00	3640.00	-	3600.00
MCX	नेचुरल गैस	जनवरी	167.60	07.12.17	मंदी	180.00	-	187.00	195.00

*21.12.17 का बंद भाव

नाट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी ।उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम सप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।
2. इस सप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

ग्वारगम (जनवरी) एनसीडीईएक्स

ग्वारगम (जनवरी) एनसीडीईएक्स

एनसीडीईएक्स में ग्वारगम(जनवरी) कॉन्ट्रैक्ट 21 दिसम्बर 2017 को 4039.00 रू पर बंद हुआ। 18 अगस्त 2017 को कॉन्ट्रैक्ट 4378.00 रू के उच्च स्तर पर था और 01 नवम्बर 2017 को 3635.00 रू के निचले स्तर पर था।

दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 64.26 है। 3880.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 4150.00 रू के टारगेट के लिए 3990.00-4020.00 रू के दायरे में खरीददारी की जा सकती है।

तांबा (फरवरी) एमसीएक्स

तांबा (फरवरी) एमसीएक्स

एमसीएक्स में तांबा(फरवरी) कॉन्ट्रैक्ट 21 दिसम्बर 2017 को 456.75 रू पर बंद हुआ। 16 अक्टूबर 2017 को कॉन्ट्रैक्ट 470.70 रू के उच्च स्तर पर था और 10 जुलाई 2017 को 388.50 रू के निचले स्तर पर था ।

दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 62.39 है। 435.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 470.00 रू के टारगेट के लिए 445.00-450.00 रू के दायरे में खरीददारी की जा सकती है।

एल्युमीनियम (जनवरी) एमसीएक्स

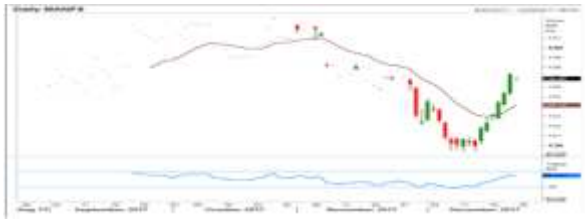

एल्युमीनियम (जनवरी) एमसीएक्स

एमसीएक्स में एल्युमीनियम(जनवरी) कॉन्ट्रैक्ट 21 दिसम्बर 2017 को 137.30 रू पर बंद हुआ। 16 अक्टूबर 2017 को कॉन्ट्रैक्ट 143.00 रू के उच्च स्तर पर था और 11 दिसम्बर 2017 को 129.40 रू के निचले स्तर पर था ।

दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 59.13 है । 133.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 140.00 रू के टारगेट के लिए 135.00-136.00 रू के दायरे में खरीददारी की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

तिलहन एवं खाद्य तेल

सोयाबीन वायदा (जनवरी) की कीमतों के 3030-3130 रू के दायरे में कारोबार करने की संभावना हैं। जनवरी में सोयामील के निर्यात की रफ्तार से सोयाबीन की कीमतों को दिशा मिल सकती है। वर्तमान समय में भारतीय सोयामील और अर्जेंटिना के सोयामील की कीमतों में अधिक अंतर से पता चलता है कि आगामी महीनों में भारतीय सोयामील की निर्यात में कमी आ सकती है। 21 दिसम्बर 2017 तक कांडला बंदरगाह पर भारतीय सोयामील की कीमत 389 डॉलर/टन है जबकि रॉटरडम में अर्जेंटिना के सोयामील की कीमते 368 डॉलर/टन है। रिफाइंड सोया तेल वायदा (जनवरी) की कीमतों में 710-705 रू तक गिरावट होने की संभावना है। कमजोर मांग के कारण बेंचमार्क बाजार इंदौर में सोया तेल की कीमतों में नरमी का रूझान है। इसके अतिरिक्त कमजोर वैश्विक रूझानों और बंदरगाहों पर खाद्य तेलों के अधिक स्टॉक के कारण सोया तेल बाजार पर दबाव पड़ रहा है। बंदरगाहों और पाइपलाइन में सोया तेल का स्टॉक लगभग 2 लाख टन है और घरेलू पेराई मिलों से कुल सप्लाई लगभग 1.5 लाख टन है जबकि घरेलू मांग लगभग 3 लाख टन है। इसप्रकार मांग की तुलना में सप्लाई अधिक है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नरमी के रूझान सीपीओ वायदा (जनवरी) की कीमतों में 540 रू तक गिरावट होने की संभावना है। मलेशियन पॉम ऑयल के भंडार के बढ़कर लगभग 2 वर्षो के उच्चस्तर पर पहुंच जाने और कमजोर मांग के कारण बीएमडी में पॉम ऑयल वायदा की कीमतों में गिरावट हो रही है। सरसों वायदा (जनवरी) की कीमतें 3930-4010 रू के दायरे में साइडवेज कारोबार कर सकती है। सरसों तेल और सरसों केक की कम बिक्री के कारण मिलों द्वारा सरसों की काफी कम खरीददारी की जा रही है।

मसाले

हल्दी वायदा (अप्रैल) की कीमतें 7600-7900 रू के दायरे में साइडवेज कारोबार कर सकती हैं। आंध्रप्रदेश मार्कफेड के ई-ऑक्सन से सप्लाई और घरेलू बाजार में पर्याप्त उपलब्धता के कारण कमजोर फंडामेंटल के बीच घरेलू मांग काफी कम है। इसके अतिरिक्त आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र में हल्दी की फसल काफी बेहतर स्थिति में है। केवल तमलिनाडु में पनी की कमी के कारण स्थिति अच्छी नही है। जीरा वायदा (जनवरी)की कीमतों के 21000-22000 रू के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। कारोबारी सतर्क हैं क्योंकि पिछले तीन हफ्ते से विदेशों से मांग कम हो गई है लेकिन घरेलू मांग काफी अच्छी है। गुजरात में जीरे का मौजूदा स्टॉक लगभग 5 लाख बैग(1 बैग 55 किग्रा का) होने का अनुमान है और फरवरी में नयी फसल की आवक होने तक घरेलू और निर्यात मांग लगभग 2-2.5 लाख बैग होने का अनुमान है। लेकिन यदि निर्यात मांग में बढ़ोतरी होती है तो यह स्टॉक भी कम हो सकता है। धनिया वायदा (जनवरी) की कीमतें 5800 रू के रेजिस्टेंस स्तर को पार कर सकती है और 6000-6200 रू तक बढ़त दर्ज कर सकती है। स्टॉकिस्ट मौजूदा कीमतों पर खरीददारी कर रहे है क्योंकि उन्हे उम्मीद है कि मौजूदा सीजन में कम उत्पादन क्षेत्र के कारण कीमतों को मदद मिल सकती है। गुजरात कृषि विभाग के अनुसार 18 दिसम्बर राज्य में 67500 हेक्टेयर में धनिया की बुआई हुई जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में 118000 हेक्टेयर में बुआई हुई थी। इलायची वायदा (जनवरी) की कीमतों के 1045-1100 रू के दायरे में साइडवेज कारोबार करने की संभावना है। फसल की कटाई मौजूदा सीजन के अंतिम चरण में है । इसकारण बाजार का सेंटीमेंट बदल गया है और कारोबारी खरीददारी कर रहे हैं।

अन्य कमोडिटीज

कपास वायदा (अप्रैल) की कीमतों में एकतरफा तेजी जारी रह सकती है और कीमतें 1100-1150 रू के स्तर पर पहुंच सकती है। खरीददारों की ओर से अच्छी क्वालिटी के कपास की अधिक मांग के कारण कीमतों में तेजी का सेंटीमेंट है। अधिकांश खरीददार अच्छी क्वालिटी के कपास की कमी और 2017-18 सीजन में अधिक कीमतों की आशंका से खरीददारी कर रहे हैं। इस सीजन में गुजरात, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र में गुलाबी कीटों के प्रकोप से कपास की उत्पादकता और उत्पादन दोनों ही प्रभावित हुआ है। इन सभी राज्यों के कृषि विभागों ने किसानों को गुलाबी कीटों के प्रकोप से प्रभावित कपास की फसल को नष्ट करने का आदेश दिया है। चना वायदा (मार्च) कीमतों के तेजी का रूझान के साथ 3900-4100 रू के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। केन्द्र सरकार द्वारा चना और मसूर पर तत्काल प्रभाव से 30% आयात शुल्क लगाए जाने के कारण बाजार के सेंटीमेंट बेहतर हो गया है। इस स्तर पर सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों से नयी आवक शुरू होने से बिकवाली के दबाव का सामना करना पड़ सकता है। राज्य में पहले बोई गई वेराइटी की आवक बाजार में होने लगी है जबकि चने की अधिक आवक जनवरी-फरवरी में होती है। कृषि मंत्रालय के अनुसार मौजूदा सीजन में चने का उत्पादन क्षेत्र पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 13.7% बढ़कर 9.62 मिलियन हेक्टेयर हो जाने का अनुमान है। कॉटनऑयलसीडकेक वायदा (जनवरी) की कीमतों में 1900-1920 रू तक तेजी दर्ज किए जाने की संभावना है। स्टॉकिस्टों और पशु आहार निर्माताओं की ओर से कॉटनऑयलसीडकेक की लगातार अधिक मांग के कारण हाजिर कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है। महाराष्ट्र और तेलंगाना में गुलाबी कीटों के प्रकोप से कपास बीजों की उपलब्धता कम होने की आशंका से भी कीमतों को मदद मिल रही है।

सर्राफा

सर्राफा में निचले स्तर पर खरीददारी होने की संभावना है जबकि विश्व स्तर पर सामरिक तनाव के साथ ही डॉलर के कारोबार से कीमतों को दिशा मिल सकती है । रूपया 63.6-64.5 के दायरे में कारोबार कर सकता है। कोमेक्स में सोने की कीमतों को 1300 डॉलर पर और एमसीएक्स में 29100 रू के स्तर पर रेजिस्टेंस रह सकता है जबकि कोमेक्स में 1230 डॉलर पर सपोर्ट और एमसीएक्स में 27800 रू के स्तर पर सपोर्ट रह सकता है। कोमेक्स में चांदी की कीमतों को 16.50 डॉलर पर और एमसीएक्स में 39000 रू के स्तर पर रेजिस्टेंस रह सकता है जबकि कोमेक्स में 15.30 डॉलर पर सपोर्ट और एमसीएक्स में 36000 रू के स्तर पर सपोर्ट रह सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा संयुक्त राज्य सुरक्षा परिषद में इजरायल की राजधानी के रूप में यरूशलम को मान्यता देने के फैसले को वापस लिए जाने के प्रस्ताव पर मतदान करने वाले देशों की वितीय सहायता बंद करने की धमकी से वैश्विक तनाव बढ़ सकता है और कीमतों को लंबी अवधि में मदद मिल सकती है। अमेरिकी नीति निर्माताओं द्वारा 30 वर्षो में पहली बार अमेरिकी कर सुधार विधेयक को पारित करने के बाद डॉलर मजबूत हुआ है और अमेरिकी बांड यील्ड में बढ़ोतरी हुई है। अमेरिकी कांग्रेस ने फेडरल फंडिग की अवधि समाप्त होने से पहले ही सरकारी एजेंसियों के 19 जनवरी तक संचालित करने के लिए पर्याप्त फंड की व्यवस्था वाले विधेयक को पारित कर दिया है। तीसरी तिमाही में व्यावसायिक निवेश में बढ़ोतरी के कारण अमेरिकी अर्थव्यवस्था दो वर्षो से अधिक समय में तेजी से बढ़ी है और 2018 में भी अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मदद मिलने की संभावना है। इस वर्ष औद्योगिक मांग के बावजूद चांदी की फिजिकल मांग कई वर्षो के निचले स्तर पर पहुंच गई है। सिल्वर इंस्टीट्यूट के अनुसार 2017 में चांदी की औद्योगिक मांग 3.4% बढ़कर 581.4 मिलियन औंस हो गई है लेकिन बार और सिक्कों की मांग एक-तिहाई से अधिक कम होकर 130.1 मिलियन औंस रह गई है।

एनर्जी कॉम्पलेक्स

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के रूख के साथ कारोबार होने की संभावना है । लेकिन अमेरिकी तेल रिगों की संख्या, भंडार के आंकड़ों और ओपेक द्वारा तेल उत्पादन में कटौती के अनुपालन किए जाने से कीमतों को दिशा मिल सकती है। कुल मिलाकर कच्चे तेल की कीमतें 3500-3900 रू के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। ईआईए के अनुसार पिछले हफ्ते में अमेरिकी कच्चे तेल भंडार में 6.5 मिलियन बैरल की गिरावट हुई है जबकि गैसोलीन और डिस्टीलेट के भंडार में मामूली बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर अमेरिकी कच्चे तेल के बढ़ते उत्पादन और जनवरी में उत्तरी सागर में फोर्टिज पाइपलाइन के फिर से शुरू हो जाने से कीमतों की बढ़त पर रोक लगी रह सकती है। अमेरिकी कच्चे तेल का उत्पादन 10 मिलियन बैरल/दिन की ओर तेजी से बढ़ रहा है जो सउदी अरब और रूस के तेल उत्पादन के लगभग बराबर होगा । नेचुरल गैस वायदा की कीमतों में अस्थिरता रह सकती है और कीमतें 160-185 रू के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। अमेरिका में दिसम्बर के शेष दिनों में सामान्य से अधिक तापमान रहने के अनुमान और अमेरिकी गैस उत्पादन के बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के कारण अमेरिकी नेचुरल गैस वायदा की कीमतों में लगभग 10 महीने के निचले स्तर पर गिरावट हुई है। दिसम्बर में ठंड कम होने के कारण गैस की मांग में बढ़ोतरी नही होने, रिकॉर्ड उत्पादन और भंडार के सामान्य स्तर के कारण कीमतें नये निचले स्तर की ओर बढ़ रही है। सामान्य रूप से जाड़े के दिनों में घरों को गर्म रखने के लिए गैस की मांग में बढ़ोतरी होती है । नवम्बर से मार्च तक अमेरिका में गैस की अधिक मांग का सीजन होता है। अमेरिका में पिछले 30 दिनों में गैस का औसत उत्पादन अब के उच्चतम स्तर 76.5 बिलियन क्यूबिक फीट पर पहुंच गया है।

बेस मेटल

बेस मेटल में निचले स्तर से शॉर्ट कवरिंग हो सकती है। अमेरिकी होम सेल्स, हाउसिंग स्टॉर्ट और चीन की ओर से मांग के कारण कीमतों को दिशा मिल सकती है। तांबे की कीमतें 423-446 रू के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। चिली की एंटाफागस्टा पीएलसी ने कहा है कि सेंटीनेला खदान में अपने संगठित श्रमिकों के साथ वेतन को लेकर नया समझौता हो गया है जिससे हड़ताल की संभावना समाप्त हो गई है। एल्युमीनियम की कीमतें 125-136 रू के दायरे में कारोबार कर सकती है। चीन प्रदूषण की रोकथाम के लिए अनधिकृत एल्युमीनियम स्मेल्टरों को बंद और निर्धारित मानकों के आधार पर स्मेल्टरों की निगरानी कर रहा है। इंटरनेशनल एल्युमीनियम इंस्टीट्यूट के अनुसार 2017 की पहली छमाही में चीन ने 16.7 मिलियन टन एल्युमीनियम का उत्पादन किया है जो पिछले वर्ष की दूरसरी छमाही की तुलना में 1% अधिक है। निकल की कीमतें 705-740 रू के दायरे में कारोबार कर सकती है। चीन द्वारा कुछ स्टील उत्पादों पर निर्यात शुल्क में कटौती से मांग में वृद्धि करने की संभावना से निकल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई, लेकिन विश्व के वेयरहाउसों में बढ़ते भंडार के कारण कीमतों की बढ़त पर रोक लग सकती है। जिंक की कीमतें 195-215 रू के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। इंटरनेशनल जिंक एवं स्टडी ग्रुप के अनुसार सितम्बर में 35900 टन के संशोधित कमी की तुलना में अक्टूबर में 36900 टन की कमी दर्ज की गई है। इंटरनेशनल जिंक एवं स्टडी ग्रुप ने कहा है कि उपभोक्ताओं, उत्पादकों और एक्सचेंजों के वेयरहाउसों में रिफाइंड जिंक का कुल भंडार सितम्बर के अंत तक के 1086700 टन की तुलना में अक्टूबर के अंत तक 1093400 टन रहा है। लेड की कीमतें 153-165 रू के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। विश्व बाजार में कम स्टॉक के साथ ही बैटरी सेक्टर की ओर से अधिक मांग के कारण कीमतों को मदद मिल सकती है।

2017-18 में चीनी का उत्पादन .....घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त

भारतीय चीनी मिल संगठन के अनुसार वर्तमान चीनी सीजन 2017-18(अक्टूबर-सितम्बर) में 15 दिसम्बर तक देश में कुल 69.40 लाख टन चीनी उत्पादन हुआ है जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 53.46 लाख टन की तुलना में 15.94 लाख टन या 29.82% अधिक है।

भारतीय चीनी मिल संगठन भारत के चीनी उद्योगों का औद्योगिक संगठन है।

भारतीय चीनी मिल संगठन के अनुसार वर्तमान चीनी सीजन में 15 दिसम्बर तक देश की 469 चीनी मिलों ने पेराई शुरू किया है जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में 449 चीनी मिलों ने पेराई शुरू की थी।

पेराई रिपोर्ट के अनुसार अभी तक महाराष्ट्र की चीनी मिलों ने सबसे अधिक चीनी का उत्पादन किया है। 15 दिसम्बर तक राज्य की मिलों ने पिछले वर्ष की समान अवधि के 17.25 लाख टन की तुलना में 25.50 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है।

चीनी के सबसे बड़े उत्पादक राज्य उतरप्रदेश वर्तमान चीनी सीजन में थोड़ पिछड़ गया है। फिर भी 15 दिसम्बर 2017 तक राज्य की 116 चीनी मिलों ने 23.37 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 32.33% अधिक है। पिछले वर्ष की समान अवधि में 115 चीनी मिलों ने 17.66 लाख टन चीनी का उत्पादन किया था ।

भारत में चीनी के तीसरे प्रमुख उत्पादक राज्य कर्नाटक में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अधिक चीनी का उत्पादन हुआ है। मौजूदा सीजन में राज्य की 60 चीनी मिलों ने 11.50 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 4.15% अधिक है। 2016-17 की समान अवधि में 59 चीनी मिलों ने 11 लाख टन चीनी का उत्पादन किया था ।

गुजरात में 15 दिसम्बर तक 17 चीनी मिलों ने 2.75 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में 19 चीनी मिलों ने भी 2.75 लाख टन चीनी का उत्पादन किया था ।

तमिलनाडु में चीनी सीजन 2017-18 में 15 दिसम्बर तक 13 चीनी मिलों ने 75000 टन चीनी का उत्पादन किया है जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में 23 चीनी मिलों ने भी 79000 टन चीनी का उत्पादन किया था।

आंध्रप्रदेश और तेलंगाना में 15 दिसम्बर तक संयुक्त रूप से 1 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है जो पिछले वर्ष की समान अवधि के बराबर है ।

बिहार, पंजाब, हरियाणा और मध्यप्रदेश में 15 दिसम्बर तक क्रमशः 1 लाख टन, 80000 टन, 1.15 लाख टन, और 75000 टन चीनी का उत्पादन हुआ है।

भारतीय चीनी मिल संगठन के अनुसार चीनी सीजन 2017-18(अक्टूबर-सितम्बर) में भारत में पिछले वर्ष की समान अवधि के 203 लाख टन की तुलना में 251 लाख टन चीनी उत्पादन का अनुमान है।

भारतीय चीनी मिल संगठन के अनुसार चीनी सीजन 2017-18(अक्टूबर-सितम्बर) में उतरप्रदेश में पिछले वर्ष की समान अवधि के 87.73 लाख टन की तुलना में 101.5 लाख टन चीनी उत्पादन का अनुमान है जबकि महाराष्ट्र पिछले वर्ष की समान अवधि के 42 लाख टन की तुलना में 74 लाख टन चीनी उत्पादन का अनुमान है।

इसबीच केन्द्र सरकार ने मौजूदा सीजन में चीनी के उत्पादन में बढ़ोतरी के अनुमान और चीनी की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए 19 दिसम्बर 2017 से कारोबारियों और डीलरों के लिए चीनी के स्टॉक की सीमा को समाप्त कर दिया है।

पिछले सीजन के लगभग 40 लाख टन कैरीओवर स्टॉक के साथ चीनी सीजन 2017-18(अक्टूबर-सितम्बर) में चीनी की कुल उपलब्धता 290 लाख टन होने का अनुमान है जबकि इस अवधि में लगभग 250 लाख टन चीनी की खपत का अनुमान है।

चीनी के स्टॉक की सीमा को समाप्त करने से कीमतों की गिरावट पर रोक लगेगी । एक बार थोक उपभोक्ताओं द्वारा खरीददारी शुरू किए जाने के बाद चीनी की कीमतों में उछाल दर्ज की जा सकती है।

Vandana Bharti	Assistant Vice President	vandanabharti@smcindiaonline.com
Sandeep Joon	Sr. Research Analyst	sandeepjoon@smcindiaonline.com
Subhranil Dey	Sr. Research Analyst	subhranildey@smcindiaonline.com
Shivandand Updadhyay	Content Editor (Hindi)	shivandand@smcindiaonline.com

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही है । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, **ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।**

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।